

10/2/26

पन्नावली - येन इति कथिष्यता एतत्
नष्टे वात् - 2 कावाणे - लमाई
गर्भे कालालक / वकालतन एतत्
नष्टे एते पर पन्नावली गन्त
एवम् गन्त / येनो नो खाति
की जाती ए पन्नावली मेवलय
एवत् गन्त समल एते

